## चर्षयानः मूर्ग। ७७। । पूर्यः क्षेत्रं अत्र ज्ञानावरः क्षेत्रं च्यानाद्वेतः प्रमुवः प्रमानामस्य ज्यानामस्य विद्यान्तः विवानाः व

## अह्रद्रातातुरु:इश्वाधर:अर्द्र्याचर्र्या

पर्लेचाराज्ञा। र्शिट्य टार्ड्ट क्रेट अपूटा कैस त्री ट्रा चक्षैट ड्र्य वु. र्टा केष ठक्कैट उसा द्वा ट्रा तृत्वा चाठु ठची मार्ग चरमा वैट ट्री ताठु आ तृ क्रिंग जु के क्रिंग ज्यार र्ट्य ट्रा चित्र क्रिंग क्षित क्ष्म क

चलराज्ञ्चा शुः अधिवातः तर्रम् वालास्त्रम् द्रचालासीयाः हेचालाचर त्याम्त्रेशात्रम् ज्ञितः क्षित्रा केर्यायुरायस्य स्वितः स्वालास्य स्वामित्रेशास्य स्वामित्रम् वित्रस्य स्वामित्रस्य स्वामि

मू॥ अस्कृत्यश्चर्याः अर्म्कृष्यः इयार्टस्त्यम् त्त्रियः कुयाः कृषाः कृषे अर्म्याययम् कृष्याः अर्म्याययम् विवाधः कृष्याः कृष्याः कृष्यः विवाधः कृष्यः विवाधः कृष्यः विवाधः कृष्यः विवाधः कृष्यः विवाधः विवाधः

दर्श रमाक्केश्रूचीमार्थु पूर्वे ह्याच्छुचाच्चीमार्गीमार्थे स्ट्रिं रमाक्केश्रूचीमार्थ्य स्ट्रिं स्ट्र

 दर अद्भेद्देश द्रमाव श्वरदेश नामार्भे व के जिस्सा दस्मा दस्मा हुद व कि कि हिस्सा हिस के स्वीत स्वीत है चलर मार कु हो। ल जर वु म्यू क ही रूर सम्याधिय कुश हुम मी श्रीर ज यह मा नवर जूरी मायव वु हुमा सवस ब्रैनमान विश्वेसमा मानरावर वे नन्तर समा सर्दर दे र विश्वेत र केरी करा दे वे माहत हो वे र पा वे वे र तत्रात्राव्याता वःक्ष्यायुःक्ष्यान्त्रोर्द्या चक्षेत्रायुःद्यानार्य्या चर्द्यात्तयुःचयराता श्रुद्धात्रमुद्धा वक्षा लर.बु.वर्भातरा र्जुब.घर.बु.जूब.करा चर्चा.च.बु.ट्रर.चटमा.ठांबुर.चा रचना.बु.चरा मानमामा.बु.चनामामा तिमालिर वृज्यभ्रम् थेरी वर्ग् वर्ष मुराना भाषाकर वृज्यर र्यात्रमालका स्वराम् कुर्र र स्वर की मूर मेरा वर्षेत्र वृद्धेर्द्रर जेनावाप र्दर नावववाचा ब्रुवाचा वेमवायार्बेवाचा व्येत्राचा निर्दर या निर्दर मुका क्षेत्रचा वेत्री अवर् कर्षि वृद्ध्याया संजूर्य स्वया वास्याव र्या प्रस्ताव प्रस्ताव प्रस्ताव प्रस्ताव प्रस्ताव प्रस्ताव प्रस्ताव ट्र्यनव्यक्षिरमञ्जर्मा वयामानय्रवान्त्रवान्त्रवामानयुष्यम्। यर्ष्यनान्त्रविद्याः मुख्यस्व द्वयान्त्रविद्यान्ति र्चे रुव दे हुँ ह्यूराम सुरामुभा अमें विवास अमें विवास हो है दे रहा में हर से लिया रेशामा अपने विवास करें में है मिलेंगा है र्देश है (वर्क्यमा मोर्देर की मगुरू महिमानिक है) ने पानिक ही मेह मा नहीं महरू मोर्डेद महिमानिक है। थेवाता तक्रमानानु मार्थरामवेश मेराता वह्वर्याताने मुँहारामार्थ मुकारा वर्षा मन्त्रमा परम्याम ने क्रिकुर्यं व्यानम्बाया। स्थिताव व्यानाम्हिता। सक्तान व्यान क्रिया व्यान क्रिया व्यान क्रिया व्यान व्यान क्रिया क्रिया वे.साथर क्रिया स्टब्स्य स्वयस्य अवस्य ब्रीस या वे.सावी ख्राया वे.सावा स्वयस्य ख्राया क्रि.सावा क्रिया व दुराया भ्रे.८ह्य.त.वु.३ह्य.ता देजय.बु.यर्ट्यत्तरभ.बुयाता यामघर.बु.कूर्.यैर.दभ.कु.वर.। पर्श्रूर.य.बु.य.वर. त्र्यान्याया। पर्यप्राप्त द्वीययाप्य द्वीयाप्य द्वीया। कूर्य कूर्या द्वीयाप्य स्कूरा विकास के साम कुर्या पर्या ना क्रेम्पव क्रम्म नहम्ब कुष्यम् कुमा नहष्य व कुष्या ५ में वि पदी में वि पदी वि मेर्ग्व प्यविष् न। हमार्च नहमाना हिं-तुमार्च नवर हैं। मार्क्यन वे तनममा क्रेशव वे ह्याममाक्रिश शव वेशम हम्मार्च . त्यर् व.च.यु. द्ररयाती अधर क्रियं वु. दुश क्रियी चिषर त्यर वु. यैर त्यर रथा वेश त्यर । अर्वुय ता वु. तयाशयाती क्रांत्र्यादीसियं शियाक्रूत्वायाता क्रांत्र्या सैरायादी मूर्याता रायर प्रवायातादी रूप्यायाता सिरायर दी मियाता पश्चेशवात वृद्ध्यवाय। न्वर्माद्धेन्वर्षमा वहर्तान्द्वेत्वर्षमा ह्यापद्वेत्वर्षायवश्चित्राय। क्राह्याय। उहुवामः केटमा चचःचचः चमः कुमः वुःमः चममः मः वैः चनमः विः समः वुः उत्तुवः जमा वैभाजूचामः वुः इर्ट्स्मिन। ब्रैजभ्रीक्षेत्री वेर्ज्यायायाय एसेर्ट्स्य पर्क्यान मेर्ट्सिंग द्वी मावयाया हेर्ट्सि वेशा र्ट्सिंग वेर्मीया अर्रस्थरमार्थेअर्पा श्रीनवारा देशिवारा द्वारा क्रिया है विश्वारा द्वारा क्रिया है विश्वारा पद्यता.बु.द्यापन्नीता स्थानवया.बु.उर्वुर.पा अवत्या.बु.बु्यात्याया.बु.दी अवतःची.द्या.ची.बु.बु.ची.बुवी अवतः इ.ज.बु.प.चम। योन्त्र-तृ.बु.भावमात्तवा.बु.भग.त। पृथा.४८.क्ष्य.बु.पक्ता.वु.मदेव.म.केट.भु.चर्री।

ठम्मात्राच्यामा चान्नात्रच्यां चान्नात्रच्यां चार्च्यां चार्च्यां चित्रच्यां चित्रच्यां चित्रच्यां चित्रच्यां चान्यात्रच्यां चान्नात्रच्यां चान्यात्रच्यां चान्यात्रच्यां चान्यात्रच्यां चान्यात्रच्यां चित्रच्यां चित्रच्य

ट्यान्त्रम् चार्यमानु द्वार्यः प्रहितास्य कुमान्यस्य स्थान्त्रम् कुमान्यस्य स्थान्त्रम् व्याप्तः स्थान्यस्य स् व्यापन्त्रम् त्याप्तस्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य

विकान्।।

ब्राह्म स्विक्तिस्तित्त्र स्वित्ता स्वित्ता स्वित्त स्वित्त

वर्चोमधाना वृत्वोन् ता मार्थमान्तर दरमार्थयाचे र वै वामर मार्थया क्षे हेर उत्व वै मार्डमा हेर उत्वा चामूर तूर बैं.च बु.र्इर बैं.च ठम.र्दे चतुर बैं.च। र्या राज्य बुच्चर कुचा क्या र तामकिर बु.कूम हुंच तूम ताम राज्य म्रामा व्येव्यम्वे मानस्य द्राप्तायस्य द्वीया स्वापित्रमानस्य साम्राप्तानानस्य स्वाप्तान्त्रम्य स्वाप्तान्त्रम भीर विया वु:मधर विया मूज्य प्र हुं बोगाप। जार्थिय ता वु. हाया तार्थ्य ता वार्थ्य ता वु:मधर उपाया तारा का विया मोर्ट्रन्या श्रीक्षाचे श्रीन्त्रेश्वा क्रिये हे सुर्वे स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य ह्मा केळियत्वे अवस्य देवा नाम केना देवा माम जेना क्षुवाना देवाकेवाना व्यवनाथाया देवाकाया प्रस्ता प्रस्ता विद्वा मी न्वें में ते हुता नेंप एट ने किया नेंदा कर के में बता तथा मनित के मानित में भी नेंदा के प्राप्त के मानित में भी रश्चमारातुरम्नानामञ्चनराता संभावुर्ज्यन्तरभाष्ट्रमा सूर्यातु द्वाता नध्यातु नर्ष्ट्या स्थान दुःस्र्-मोनान। र्मेनानः दुःर्द्धमानान्यभार्ष्वना। श्रेमानद्वःमानेनान्यभार्श्वेमानन। दिन्धेन्द्रःदीःस्ट्रान्दा। घरानदी पर्याभागी पर्यवत्त्रवुत्तर्भवत्त्रभार्त्रेच्यमार्थ्यामा क्रूचित्रत्त्रवु ह्र्चामात्त्र। पर्यत्त्वेत्तर्भार्य्याम् ता मोन्यान द्वानमुद्दायकामोने द्वीता वक्रमाया दे वहमाया मूर्याया हे स्थाया हे मान्येद दे माहद सेदा ४व.इत्यानरःक्रव। में त्रक्यान वे वर्ता र निर्मे वे मेना नावण। नर्ययान वे भ्रेयचार्य रहिनायानाया भ्रेतिया मर्थमालमा बु.इं.बूर्रा पर्श्वर अभग बु.ठर्र्रा तालक्ष्मात्म जूर्य कुर्रा पर्वे साथ प्रवेर पार्च पर्या म्हित्र व ह्र्मानाता तर्पर तृष्टु इत्यम्। पार्जुपान हेपान दु उत्यक्ष्या पान स्नेपा क्रूना -वेर तृष्टु सारपाना वह्व मृद्ध मर्चोर् चि हे सुर सेर। वहर सबुब रह वर्रे वर्चे रह मानुमाय वर्केट वे सुर वर्केट। वमानी सुबे वया हे रह हे जनक्रियान। वह्वासूब्रानमूर्विरान्त्रेयान। अत्यावासूनाःचीःश्वाद्वाःअत्यावास्त्राःचीःश्वाद्वाः मि। ठर्मा प्रत्या मिलामा में अब ब अस्ति । अनाम प्रत्य व असमा अस्ति । वित्र के असमा व स्वर की समार स्वर प्रत्य ब्रुट्रिस्यमा र्यूकार्यद्वामञ्जानयम् सम्बन्धाना र्राट्य हेट्रा सामान्य समान्य समान्य स्वास्त्र स्वास म्रा क्ष्मा में त्र क्ष्मा मेर मेर मेर मेर के मान क्षा मान क्षा कर है। यह स्वाप क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा क्षा म मालर दुष्तित्रा मार्ट्र द्रमा अर्थे विषय दुर्शित्र अति अर्थः विषय द्रमा स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित हवापा चहवालेखामा दे अर्केन मा इसायन्यादी इसायन्ति। यहोन मा दे मार्केन मा निवास दी महेखामा मार्थेदा विगत्तर् निष्यत्रीयता नमिर्नामार् प्रमित्रामार् प्रमान्त्रीय प्रमान्त्रीय प्रमान्त्रीय प्रमान त्तृत्र्याःकरः बुद्धः केर मृत्यायाः कराष्ट्रयाः के तीरा स्रीताः सर्वात्त्रम् विष्याः स्रीत्याः स्रीत्याः स्रीत क्षेत्री

बुर्व दुरात श्रीन व्रवत्तर रूपि हे दीर अर नर बुर अर। उत्तरमा व्युक्त नर नहे बता न जेश हीर है.

भ्रीर्बेव दी भ्रीर्बेचाया श्वमादी सुदाया में रादी पार्टेव रा। या या प्रसुदी श्वेर पे स्रोर प्यवस्था परेव पा। शैर्-रूजवु ही रूजा कर धिरावु चार अचा रूचा मावु मर्थे । मोजरा वु मजाना विषया प्राप्त मावु पहुना प्रव त्तु क्रियात्त्वी द्रत्ति वृत्ते प्रमृत्त्या मुत्त्या शे वर्गेत्वे श्री ख्रिया वर्गेत् व के व्याप्त व क्रिया मित्र याक्रेशतानुमार्थामा क्रेशत्तर हे केंच्या-विमाना मान्यत्तृतु क्र्या मान्यत्त्रे क्रा मान्या भी होती होता है अप वैपर्दिक्ती भेवविक्ता मेर्वेदिव्हेंब्या ब्रियाम्बिषा म्यायभे। देवधी या भवक्रास्य प्रीया विकास यमुँ प्रमालिस देवा हर दुर्मित अरग समान सर जमान हु मुजमा के सून समिन जमान दुर्म जमा र्श्वेव। अर्देर: अर्बे अह्या देवेवर। है अवर वे र्बे क्रै अधि वर। हम दे वे कृप दे। कु चुन म बे कियम व्याह र्योर। . धैया.र्रम, ब्रुट्टिया.तिर. क्रे. पर्श्व अपूर, राजूर. र. उन्हीर. च। जूर्यामा. माड्य क्रेर. यालूयामा वाष्टर. य र्क्वेब वे प्रहर क्रिंबा पश्चित पाने प्रभाव प्राप्त प्राप्त क्षेत्र के क्षेत्र के क्षेत्र के प्राप्त क्षेत्र के क्षेत्र पा क् में रुव वे पार्क् रुवा बेर पहुरावे ह्युवर्षी अर पेर प्राप्त प्राप्त वे पाना प्राप्त वे पाने प्राप्त व विश्व क्रेंजशत्रास्राम् । उक्रमाराष्ट्रीयमाजुन्यान। उप्रेरीब्रीयामुजान। योषितायीमाराष्ट्रीयास्याप्तीयामाराष्ट्रीयामा वैन्ह्यानरुवा धुराञ्चयविकुवाव्याञ्चरामा रहार्क्षेत्रावीरहाययरा। धीरार्ज्जेविधीरारमावा मार्विः वेर्क्षेत्रेया। र्बेद्रपादी वना क्रिरपादी प्रमुरपा व्हेरपादी वर्बोचा व्हेरपादी श्वापा मार्वेर सादी हरायी देशदी वस्तरा उत्ता मानेन वे मुन् तुं मुन् तुं हुन पा वे त्राम पर्वे त्राम वे वे विषय के प्रामन पा वे त्राम के प्रामन के प्रामन पा वे त्राम के प्रामन के प्राम के प्रामन के प्रा ह्रमाना मध्यानुर्वे पर्देवाया प्रमयापद्भावदेर् लेबा प्रमयाक्रमायदे वर्देर क्रमायके पा वर्केपयानी मुक्स मार्श्रेटशन्त्रीया मार्श्रेट्रगार्चे व्यक्तिगा मास्याना चीत्रियाची महित्रहेशामानी मान्नेत्रामानी मान्नियाची उद्देशमा मुमायमि ते उद्गामवस वर्षे वर्क्सवा देन के ते के ते के प्रति माने प्रति प्रति माने प्रति प्रति स्वामि । पश्चरमान्तुर्धर देर विभाग पश्चेब्रुर हुरे दूर। सर सर्वेर वुर्द्र्या मूल वचा हुरे भाषा व सम्बुद्ध हर चलुवा श्वर हे वु श्वर देवा वे चुंच देवा वे चुंच देवा वे स्थान वे दूर में स्वर पा है र हेर वे देश पर हो चुंच के न्त्रीया स्टर्भारा द्वीत्रपाद स्टर्स्स्यो किंद्र विद्वीद द्वीयम् विद्वीया यहि अञ्चरी यञ्जाता द्वीया के विद्या पत्रीप्रदशनके के पत्र अधि प्रत्य के के पत्र के के पत्र के के पत्र के पत्र के पत्र के पत्र के पत्र पत्र के पत्र त्तरमार्थितम् विद्यात्मा मुद्रान्त्व्याम् मुद्रान्त्व्याम् मुद्रान्त्व्याम् मुद्रान्त्रम् ज्यात। ज्यीय ज्यूयोय द्वारा हुव ज्यीय। ज्यूयोय त्यू तम्याता व्यूयोत द्वारा द्वीय स्थाता ही मूर्य द्वी ही। यीध्य हि वै महिमाहु। र्ह्नेट मवे सुमाय-वेट र्येट म। र्ह्ने र्ह्नेट वै पी सुमानाय देना मधि माययम। र्ह्नेट र्ह्नेट पट बेटा मावेद उर्रम्भः दर्मान्यान्त्रस्य विद्यान्त्रस्य कर्मान्य स्त्रम् । विद्यान्त्रस्य स्त्रम् विद्यान्त्रस्य स्त्रम् विद्यान्त्रस्य स्त्रम् वया हिन् मुयावे देमायान्त्रा हन से विन्होंन से प्राप्त क्या के स्तानिक विन्ता प्रमुख है विन्या से स्वाप्त से वि रविनमाशी शिक्ति बुद्धामाना उर्हे हुन् बुत्य कर्ता त्राच्याच्या माजूनामाबुत रह्मा क्रिम्पेर बुद्धामा कुर्जुर्यु मिन्तु। बैकार्यकार्यु बैचार्यका मुर्थ उर्दनकार्यु कुकार्मुर्य वना बैदार्यकार्म्य उर्दनका चारकाराञ्च श्री मारका र्षेत्रात्तवन्त्राची मैर्स्वावर्त्रा वर्मुर्याव मेर्स्या मक्ष्यावन हुन्द्रामा मर्नेरयान व मर्रिया मर्ल्या त्रपुर्ययुर्जुत्या विमत्त्रयुद्धिया प्रह्ममाय देवाना वर्षेत्रया वर्षात्र्यमाय प्रमाना वर्षात्र्य वर्षात्र वर्ष स्या हे वे महेव हो। ल वहीर रहर लग वहीर वे लगग वहीर । सेव रव वे स्थारवा महि म वे स्थारा स्थार मिली वे ही प्रविद्या मन्त्रेर प्रति हु प्रतापा विद्यापत्र विद्यापा मन्त्रेर पत्रिक्षेत्र। गुमार्टेर दे रही क्यापिय प्रत क्रैशपत्र क्रेट्रशपा क्रेप्त वे लवपा येतुर्जीवपत्र वे त्या हेवपा वद्या अधिय वे त्या अधिय। तुम्र तु वे तुम्र क्ट्रा क्षेत्रासुविक्षेत्राय। बुद्रश्चायद्वीयुव्यायः। रेक्षविद्यद्वेत्त्रा ववःद्वयवेत्ववः हवा मास्ययद्वयाक्षेत्रा मुंदिक्ट वु तह्या मूटी तर धर दर देवे ह्या वु केवात हा श्रीयाशवाय व्याव प्रवायमा वर्गी हे वु केया है। या त्र वु क्रियान्य क्रिन्। देना नी वी वेदि वेदि अर्व नन्य ना वी अर्व विश्व विश्व विश्व मार्थ निवस अर्थ अर्थ है । प्रति म टी जन्मिधिय बुर्बेस्यमा कूरमा स्थापना स्थापमा स्थापमा स्थापना कुर्मा के स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना अमृत्यत्मात्म् मृत्या क्रिंदारमा क्रिंदारमा क्रिंदारमा क्रिंदारमा क्रिंदारमा क्रिंदारमा क्रिंदारमा क्रिंदारमा लियोक-प्रेया यु:वियोक-प्रेया असूर तायु कें कु या कित रिया यु कित उत्तर हो यु अर हो रियोका तर यु विका परा रिनेयुरिकेया इत्त्रुक्रिया क्र्या क्र्या क्र्या क्रया क्रिक्या क्रया हिन्त हुन्ति । विन्त हुन्ति ।

जन्न पर्याप्तरं मार्चे मार्चे मार्च मार्चे मार्चे मार्चे मार्चे पर्वे मार्चे पर्वे मार्चे पर्वे मार्चे मार् र्बोद्वी दर्बोबाया इसाधिरबादी है। बालराया सुन तुनि बार्बेर तुनि समाद दी महाहेन तुना सुन के किया दे हैं स्पेर् वमीवैलिम। मुःतः उववैमार्ठमः सः। मात्रमः वमावै ५ धुरः वम श्रूभः वै मर्द्दव सेवै वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व य-विराधुत्रमा भर्तातु पर्वता श्रवता द्वीता स्वाप्त प्रमान क्रेमना विराधिता भर्वापत्र प्रमान स्वापत्र प्रमान उर्देशता बुक्स्यां अत्या क्रिया मी बुर उर्दाय सिंदि श्रीर त्या श्रीय त्या बुर देन ज्याना ता क्रिक्ट विद्या सिंदि तारा श्रीत स्था श्रीय त्या सिंदि तारा सिंद तारा सिंदि तारा सिंद तारा सिंदि तारा स <u> ८र्द्रमाथाम। देनायामा बुर्मायाम। बुर्यामा बुर्यामा बुर्यामा बुर्यामा वुर्यामा वुर्यामा वुर्यामा वुर्यामा वुर्यामा वुर्यामा वुर्यामा वुर्यामा वि</u> है. इं. शुर. में. मेर. त. तम्मेर. ततु श्रुर. । कुर. उचार यु. त्रंश उचार । श्रुं ह्या ग्रंथ. उचिया ता वचार कु यु दुश ही। युर. त्तर्वे जेव तत्र हित्या नर्षे तथे वृद्धेवता क्रां विस्तर वृत्त्र न्त्रीय । तथेवत्तर वृत्तालय । तथेवत्तर वृत्तालय ता श्रेमशर्ष्र्च भूगता अवरा सामिश्च रूर प्रजानम्बारमा क्या विराम द्वीत्या विर्मा द्वी मा स्वापित हिमा स्वापित रर्द्राच। दर्शभाराष्ट्रीयार्श्वराचा वर्शभाराष्ट्रीवर्ष्क्राच। चर्गभाराद्मरास्त्रीयार्श्वराच्यराध्यावराच्यात्रीयार्श्वरा त्तरमास्यामा भवपायान्त्रीत्वर्त्तात्मानस्यामा द्यानेत्रीत्रीत्रीत्मा केले द्वाला केरमान्नीत्रमा उद्देशायादी त्यमग्राता वु निमग्रता विषमग्राता वु तमुग्रता इमामकूरा वु विमामकूरा | देवर वर कु त वु सेरा तक्षा र्पायके प्रवासिक मान्या वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा के विश्व कि वार्षा वार्षा वार्षा वार्ष तैयोगतिर:वृत्यांष्यं वंजा बूँचायाववः वृत्यवर्ता विज्ञुत्या वृत्यक्ट्राह्मा जवायाववुः संस्ता क्रियावावे क्रियायावे क्रियायावे त्रमाना नामर पर्रेव वु मिव पर्रेव। चामर ज़व वु प्रमान ज़वा नामर प्रमान नामर प्रमान विकास विकास विकास विकास विकास योलराविज्ञ प्राप्ताविज्ञान्यात्र हिंचा योलर क्षेत्र हु हो योलरावश्य है शिवश्य योलर हु व योहरी श्रे हैं है. त्म्राचा भुरं.च-पुर्यु.च.ठस्थ.के.चरुठ.भ्र.दर्र्युश.क.अर्धिय बुचाचा भूरा टर्यु.श.चा ठक्तर्येट्यंत. चक्रमा श्रीरशादुःश्रावदःस्थानुभावद्। ज्यार्क्षाद्वःज्यावधा जूरःसद्वन्त्वरःहूमा जूर्याराद्वःमाठ्नःस्या। क्रेवः त्तु है. चर्म ह्र्या विष्या हु हैर मेलूमेश ह्र्यान्त्रीय हु श्रुम्य स्था मह्या वह सै चरम ही सै चरम तन्त्रात्ते वर्षेत्रात्ता नाहमायदेशता वे येनवराय स्वाता क्वेंच यदेव वे में नवर्षा स्वारंता वे स्वारंता के स्वारंता र्देम भूव पर्व पश्च पश्च पा भ्रवपा भ्रम भ्रम भ्रम भ्रम भ्रम ने भ्रम ने के प्रमान के प्रमान के प्रमान के प्रमान र्स्रेनापविस्रेनासुर्धे राष्ट्राववमायान्तुव। ग्विर्देनविष्टर्द्धेयायुष्युठ्। गेट्वैर्ट्स्रेना इत्याविष्यस्त्रिवी द्वर्थमा वैमानि केर वे हुँ है के क्षाबाद के हेंग गुगु हे भावि हैं हा मा हुई दे वे पहेंद कर्रे मा श्रुर के वे के मार्डर चरमान्तरान वर्षा हुंच कुरा तहरा च द्वां हानमा कुरा मावद दूर त्यीं माना न्या क्योश ता दु हैं वर्ण तूर परमा न्या लूर्तत्रर्टर्वियानवन्नार्यप्रैराम। स्याविजयुः व्ह्रीयान्नेर्यः स्थान क्रियान्ते द्वाराम् स्थानिकान्त्रे स्थानि वयार्मेनाया पश्चिरयार्क्षेनावै सुव एनेव पार्व केना हे सी प्रवाप सी या सर्व स्व सेया महें पार हो प्रयोधि है व्हेंब्रमक्रेम ब्रेन्यमविषव्यप्तयम्भाषा नर्गेरन्तमा उर्वे वेर्वे क्रिकें क्रिकें महिलें स्थान क् मार वे श्रीर श्रेंपण। प्राप्तण पर्वे अर पेंदि वर वया पर्वे अपावी प्रश्ने दावी प्रश्ने र प्रथम पर्दे मारा श्री शाप वे मोर्ट्रता मैंबतायु तर्मवता पश्चे प्रवृत्मावय ज्ञानवर्ग क्रीमा विश्व प्रवृत्ता पश्च प्रवृत्ता स्थान विश्व प्रवृत्ता मूर्यु चार्थास्यात्रमा श्रात्मा भारम् चार्यु साम्रामा प्रमुखामा प्रमुखामा प्रमुखामा प्रमुखामा प्रमुखामा प्रमुखामा यानुरान्नीयान्त्रीयार्नेत्या नेवाद्वरान्द्रीय वर्षेत्रायमुद्रात्येत्याने वर्षायात्र्याया वर्षाया वर्षाया वर्षाय ता अव व क्टूर दर रेश उद्देशता व व्यक्ताता कुर क्वी क्रमां कुर क्वी कर क्वी के क्वा के व क्वी के क्वा के टीमानर मुनाना भ्रेर्मा इ.सिमा भक्षमा रहा अक्षमा सी वु अमा सी वि रहा तमा मिर्चा प्राप्त के मूर्य है जिस मार्च मिर्च लूर्ता अधेरायुःरजा तेमानश्चयः युःराष्ट्राम्याला श्रुंतार्रात्मिरात्युः ठघतात्रार्श्वराता सैताश्चयः युःसै क्च। बै.नश्चेव्यु.नेब.क। बाध्यकाराष्ट्रीप्रदर्भात्राचकुराचा चर्नेश्वरात्त्र्यंभ्रेवात्तव्रात्रां धेरातूर्यु.वी श्चैदःश्चेनश्रके:च। नहुवादी:नश्चरायव्यावह्याय। दशुद्दिःगाव्या। यर्क्वर्यो दशुद्दविषाया गद्दिनाश्चे:हे: मारमा थेर तमा विषय वु ततर राजा होरी मूजमा खेर राजा मुंखमा चरव वा बु खेमा वर्षेय साथ वे बु खेमा वर्देशःभवभावार्ते विचर्देशवीव्यक्ति। भवमानगवाद्यः अर्वेनाक्तवीः श्वादानगवाद्यः विद्यायावीः

ररिजान हिर्द्र प्रमुख रहूराजान विचार्य मुस्ति हे सूर्य हु के त्यरण बर्दिय हु मालूम अक्यानर्य स्थापन थेनामास्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रास्यात् स्वत्त्रास्य द्वेत्त्रास्य स्वत्यास्य स्वत्या त्तरभाक्त्यात्तरभारतूर्यात्ता वर्तवात्रभावता व विद्यायात्रभावेताता व विद्यात्रभावता व विद्यात्रभावता व विद्यात्रभावता चर्षेचाना चर्षेनचर्युःचरःकूर्तनवन्नमिर्द्धरःच। चर्ष्यनमञ्जरह्याना नाधेननमञ्जर्भभूत्रः बु रुषाप्तिमा नहनावामा बु मुखामवस्य श्रीवामा नाश्चनाम वे श्रीनावामा नान्त्रमा वे देवा ग्रीका श्रीवामहेन मवस्य -वृतानुषार्श्वेराम। श्रेथमन्दरादेश्वेषात्ता। द्वारागान्दे द्वार्थिकामावसाद्वार्कान। वर्गोरामदे श्रुराम। सरमामालुमा ८८. ३. पक्कि. व. प्राचित्र प्राचित्र हे. म. म्री. प्राचित्र क्षेत्र मार्थे क्षेत्र मार्थे प्राचित्र क्षेत्र मार्थे प्राचित्र क्षेत्र मार्थे क्र मार्थे क्षेत्र मार्थे पत्र मेर्य भेर तत्रात्रात्रात्रात्र ताहर पहरता भ्रें याद्व स्याप्त होता श्री याद्व स्वाप स्वाप स्वाप भ्राप्त स निवधुः बुद्धान्यतमार्थनामा सैयातपुः पर्ययामा सैयार् होना देन होना द्वारा होना स्वार्थना स्वार्थना स्वार्थना स्व त्तुंद्रभारावभारत्यात्रम् । यम्बर्यात्रवुः व्यविष्या - व्यविष्यात्र वुः सुर्यावात्र सुर्यावात्र सुर्यावात्र स् र्क्ष्मायाना र्र्वा अधिव व क्रूराना वर्मेव मूर्य र प्रेश में बेर व र ती अमी मूर्य त व मार्टर ता मिवता व मिवता हे पर्वव वे हे पर्वव। दरमाश वे रमा हावे रुर रस पावेर रस केमा ग्राप वे मेर रस होरा। दिना वे वेरा। शे हे वे बुन्नित्। ह्ये कुर्यु ह्ये ह्ये ह्या पर्वेशवात प्रहिताती पहुर्तात्तर दुशाम् त्राप्त पर दी पर्वे प्राप्त हित्र मक्ट्रियिव मित्रिया मुन्ति वर्षा प्रमुख हे पेंद्र पदी हिपा पहें द्वरिय है मुन्ति सुपा स्ट्रिय पर्व स्वापी स्वाप हीर् वु र्र र जूजान्वभाष्मवार्ग श्रि वस्माना वु मार्क्व मारक्य मा मार्क्व पर र हूजा वु मू मार्क्व श्री वर्षी श्री पहुंजा के पार्व द्वायामें व्ह्वमाया द्वायाया वेकिंकद्या श्वेमाया वेत्रमण स्वायाया विकास स्वाया श्चैमा वु.मूर्य कूराजा २ र.श्चैमा वु.मूर्य त्यार अर.ज.मीमाय कि. कूरा श्वैमाय अया पर्यूय तपु. तूर्व तावी मामूय ८८. र्कुवर्म्हरवे लेशे र्रे धे विलेशे वया मूर्ता तत्राया तमिरात्त त्यीजा में इराजा त्या प्रीया स्वापात है उत्ती भ्रमाता चिष्टमात्र प्राप्त प्र चैनाता रेचार उर्देष यु.भ्रेमातरमा सेर्ज्ञ स्पर मेरात रेचार मुंचार कूर्यामा कूर्यामा अपना यु. श्रेर उक्टूर महिला तान्नरावदर्भरा अप्रेशतान्त्रेज्याशावत्रभर्म् अस्त्रव्या भ्रावन्नियावर्भ्यात्रवेश्वावर्भरान् भ्रावन्त्र पक्षेत्राच वु थ्रेशताच-विधावातवशा (बे.क्रूट (ब्रिच) श्री क्षेत्राच वु तीया दया तार्च कु (ब्रेक्ट (ब्रेच र क्रीट ता) कथाया श्री वु युःर्यन्तर्यत्त्रदेनरम् मुःश्रेभानो नर्मामा मिःध्रेयाम् व मुल्यस्य स्वात्रम् । व नि व व स्वाप्यस्य स्वाप्यस्य परेचालात्त्र त्त्राचित्राची क्रिंदीत्त्र के वुत्तावित क्रिंदि त्राच्या त्राचेत्र त्या त्राचेत्र त्या त्राचेत्र स्व कुर प्रत्यामार्वेव प्रवा कुमाया वे कमाया। वर्क्य या वर्क्य वे बव बागा प्रमुव पा वे मायर पा। स्व वे श्चैत्रात्रभानेन्। प्रात्मात्रीत्रसम्भगायत्रभामधिवात। क्रेत्रात्रीवीतात्रीत्रत्मात्रात्रीत्रीत्रीत्रम्भातात्री पर्श्वमाता भ्रेतितात्व तथनात्रप्रामःश्रमा मार्ष्ट्याः भ्रेट्नात्व हित्या मार्ग्या स्ट्रामा द्वारा द्वारा द्वारा र्यर मीय एक पा पवर अपने वे मीय पर्वे पा श्रर पा वे भी प्रहेमाया पर्वेर मीय पर्वेर प्राधु राष्ट्र स्थाय क्विश्रात्रम्यस्य ता मैनाश्वात् प्रदेवाता र ग्रेवुत्रमस्य क्वे मेन मूर्याश्वरक्वित्ता देसूराम्य व मेवा दुर मध्यापादर क्रिट क्रुट पादी क्री क्षाना पादर क्रिट क्रिट पाँच कर प्यतर । मूना क्रेडी क्रियं क्रेड्रेट र्हा।

मुचीलात्माञ्चूर्यावकानुद्राचिकानुचीलातासूर्यार्टीयार्ट्याविचातालाउर्दूर्यात्मी। ताचीचवार्ट्याक्नीश्वराटीलूट्तावरा। यीश्रै '४ :बिराक्योतार्टरा। श्रैबरितेराज्ञात्वी) मूर्यात्मेवाकृतिस्वियक्टरज इवाताकृतुःश्चेराट्ट्रिलूचातार्टरा। वासाकृराटीलाकृत्यात्मितार्ट्याः स्वेराट्ट्रिश्चेन्द्र्यात्मेत्यात्मेताः मूर् लयात्मेत्रा जुचीलाक्चेराक्कोत्मेर्याच्यातावानाः श्लैरातारावराज्याविकायवराज्याविक्षेतां श्रेयाः स्वे। स्वा

ल. घे. खेळाता केंद्र देवका संभूतुः श्रेद् हुं. लुब. ताजा व्याने खेळा चीचीयाता देता भाषा प्राप्त का जाना जाना व ठर्मुरम् ख्रियाच्यातरा। यम् ख्रियारार मियाकी अर्ट्र्र चित्रक्यारार रा भ्रार्मेत्र के या ख्रियार स्वार्थ प्रार्थ त्तर्यहर्तत्वाराष्ट्रीरवारा वित्रक्षाता वित्रक्षाता द्वा भीता द्वा त्रिक्षाता द्वा त्रिक्षा विश्व हो। व्यव होत् द्वा विश्व वित्र विश्व विष्य विश्व विष बुर्ज्ञकनायशनीरपार्द्र। मीरप्रमीर स्रिलेशनानाशयप्रदा सद्वायलेशपर्मेसप्रिपर्पर्दर स्नायपार्द्र कुंतरी . अर. रूर्ट. अ.र.क्या.तथा.धिताकु.टा.जु.त.रर.। वैंकु.जु.त.र.अ.र.क्या.तथा.देलाजुश.त.रर.। वै.या.अ.र.क्या.तथा.वी.त. . वुग्रासन्दर। चे.श्र.ऋवुग्रासःक्र्रयास्यानात्रवाचिरासःक्षेत्रचेत्रःक्यात्मवाचेत्रःच्रत्रः। वस्रे वुग्रासःद्रभूतुः सर्राट्र्रस्य क्यानग्रतस्यायान्त्र। यञ्चितरः पञ्चयान्त्रेयानः वेशानान्त्रेन् क्षेत्रम् स्थान्त्रान्त्रात्रान्त्रात्रात्रात्र अर्ह्र्रेट्री बैर.क्रम्।त्रभाजेत्रामा श्रीवागा र रहा। हो हता पार्योह श्रीमा पार्वे क्षापा हो। बैर.क्रम्।त्रभाचे श्रीवापा पार्वे क्षापा हो। मेर्यान्तर वर्तेव पान्ता वे कुर बेशामासूर्वा व्यापित पानेश सुर सुर कवा प्रशानिक राज्य निर्मान सुर मूर्-नःर्टः। श्रुवःरंबुः,जर्जुंनःर्ट्यरः र्जूब्रेम्। बैरःक्यानमः श्रवः श्रुरःषुन्नः नर्टाः श्रव्धः में खेनान्त्र्रं रन्ताः श्रेट्टं बैरक्याताक्षञ्चे देसद्द। बैरलज्ञेज्जी ५०वर्षायता श्रीव रश्याविषाय वेया बैरक्या प्राप्त श्रीय लयत्तर्यद्दा संदेशानीयायाक्षीत्रम्द्र्यं अस्तर्द्र्यं अस्तर्यायायार्यः है लेखायाद्दा शुः हृद्रया सुर्वे वर्द्धे यालेखाया बैरक्यातमात्रपुर्द्ध्र्यत्। यःद्राम्बेषायाद्वायेत्रभ्राना वेराक्ष्यायात्रम्यात्रायात्रम्यात्रायाः विद्या जुर्चेदुः श्रेर-टूर्ट्- बैर-क्रमानागा ग्रु-उर्देर-र-दर्भ ग्रह्मः अबैर-क्रमानाग्र-बीर-बीश-दर्भ वीष्ठा-जबैर-क्रमानाग्र-बी सीजर्दा वृद्धां वृद्धां वृद्धां मानुनाय के अन्ते ने ने ने ने क्षा का अन्ति का विकास का विकास का विकास का विकास ह्मयं हे हुर् कमाप्यायम् तम् व तह र दर्। व गायि र मायाये र दे हुर कमाप्याये दुर्वे ते दर्ग पाइ र मायाया त्तर्यत्ता बार्क्क त्यापदामानुमान्यम् ते हे नुस्कनायाः कर्क्क्षियाः दता स्रक्षीः गार्चीव्यतः ठवः हे। नुस्कना त्मान्त्री द्वेता न्या में भारत्रीय त्या न्या में स्वता में स्वता में स्वता में स्वता में स्वता में स्वता में स बुरक्रमायन्ता द्वारोकेषानेशयन्त्रयारीः श्रद्देत् बुरक्रमायश्चीः मुत्रयायदिमायन्ता शार्ने रावेशयाः मु नार क्री सुरा देनावा पव नार प्रतिवानी क्षीर बुर कना प्रथा व हेर लेवा पर दर्श व हेर लेवा पर सुरा है से वार क्री रैनाशय्पदानारामञ्जनानी स्रीराबुराकना प्रशास हेरा देशपार्यरा। गार्ने रादेशपार्श्वेर क्षेत्रपार्वेर स्त्रास्य समा म्रे.स.स्र.। जर्भे बुबारा.लर.तवंश श्रीयत्वतु स्नेर.स्र्र. वियःक्ष्यात्तवात्रम् वर्म्यस्य मार्के. में वर्म्यकेत क्री स्नेर.स्र्यः बुर्राक्रमाप्यायाके द्रात् । प्रबुर्यापये अप्टेर्न् हिं पाद्रा हिंद्वे बुर्राक्रमाययायहंत हेया स्माया की और द्राया प्रवास ८८१ है गालेश पर देशें केश देश दर विंत परि सु विर की भर तुर कमापश दी गा दर। दर्मेना वरे वा भेना वेर प्तरम्भूर्षः हुवम्वुःस्थाम् म्यूयव्यस्यः सर्दि। म्यूर्वेशम्यरा द्वा द्वार्षे हुवस्य हुव्यस्य स्ति। याम्यत्यम् स्वानामा हे हे के सामाना से सिन्ना स्वानामा सिन्ना स्वानामा सिन्ना स्वानामा सिन्ना स्वानामा सिन्ना स ज्यायानर ब्रीरावरु और ररा वृर्धि और नवा अहीर तर वृर्ध और क्री वर्ष या अपूर हो। देलरा वृष्ट्र ता वृष्ट्र पा तामि अष्टू जय वित्ता है। क्रिट्र रज्मी प्राप्त हो प्राप्त अपि प्राप्त स्थान स् श्रव श्रुट्यानर श्राम्पार (तकर तार्टा) लामा रहिशीर मी इसामार श्रीयान श्रीया लेखार देनीया ही ग्राम में राम्पीन भिर्मुत्रामा तृर्भित्कित्रम् देविष्यवश्यात्रकृतिम् वर्मान्त्रा दुत्रम् भरकृत्रम् वरम् वर्मान्त्रम् र्वह्रवरात्मिनामनश्रमः हो द्रान्ति त्यार वर्ष्वरा स्ट्रा श्रीह्या क्षेत्रा क्षेत्रा होत् हो हि द्राना स्वीता वर्षा स्वीता वर्षा स्वीता लेशनक्षेत्रःश्चरः, तर्देवः मः दर्। धः श्वः वेलेशः मार्चोना साधा तह्ना क्षेत्रः दे दरः तदः मते श्ववः वना में व्यर्चेना श्ववः धे धे थर विषया अथर। र्देर श्रुवयो ये थेर दुर्वेदाय दर्रा -व स्वर् संवेष महिर दर श्रुवाय दिनाया। -व वेषाय पेर अर्रस्ता देवदं बेशप्यदेर पर्वेशकी र्वे द्वार्पवा मिर्ट्स भेरत्र देता के देवदं रहा के देवदं रहा के देवदं यात्राभी द्वेश्वर्यान्त्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्र्यात्रेयात्र्यात्रेयात्र्यात्रेयात्र्यात्रेयात्र र्ज्यामी अन् र्नेन प्रीवाप अप्वेषाया नवाप र्वया की र्नेव निषया है निर्मय पान सुरा निर्मय की निर्मय की निर्मय की ट्रिस्मान्द्रा बाहुस्मार्थेनवानेस्यान्द्रा बाहुस्मान्वित्तःस्यावर्षेत्रस्यावर्षेत्रवाहिः विद्रेद्वर्र्य्र्वर्य्वयान्त्रवानित्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान र्रेपालेकामा इत्यन्त्रद्रपारेकामते अद्देदाया । कायाय दरार्ये युकेरालेकामादरा है केमा हैवायहराया हे याहे 

त्तरः मः प्रत्य कुर्याकार स्वकृत्तां क्रमान्त्र माक्ष्मकाम् भूर र र मन्य स्वकृत्तां क्रमान्त्र स्वत्तां स्वत्

त्मुन क्रियन क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया

पर्वेश्री त.ब्र.जसंभूतः सेट.टूट्जो शैचोभुजः देःचीचोगः त.जूचोगः मघठः तम्मश्रूट् केट. लु.च्री-भटः टाटः उद्दुचोगः तामः मूंगः शैच टितेट कु सेचनः शःभवरत्तमा त.सेट. टाट्ट। ट्रेट यु.जूचोगः बैटः बेट क्यो त्तरंट भटः कु। प्रूको ग्रें में अप्युवानः त्यरः जज्ञ पु.सेट. दें सेट हो। श्रु. हेगः दटः कुं अत्या हेगः अभ्याद्दः। खुटाभूजः वेट युवाभूचोगः

ट्यं.शिर.तर. क्रिक्स. क्षेत्रम्थ क्षेत्रम्थ हेर्न्य क्षेत्रम्य कष्टि

खेल उर्दुभवत्त्रम् मुन्ते। इसखेना श्रु-वेव श्रि-द्रित मुन्ते मुक्तः स्यान् मृत्व एव उस्ते या प्रमानित स्यान् स्यान् स्यान् स्यान् स्यान् देव ब उक्त प्रमानित श्रुक्त प्रमानित क्षेत्र स्यान् मृत्य असे स्यान् स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान

टल्स्ट्रिट्यक्षेत्रश्चेटल्ल्युपुर्ध्युप्त्यिय्वेद्रस्या में स्वार्थ्यक्ष्या क्षेत्र्यक्ष्या स्वार्ध्या स्वार्ध्य स्वर्ध्य स्वार्ध्य स्वर्ध्य स्वर्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्यं स्वर्यं स्वर्यं स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्ध्य स्वर्यं स्वर्यं स्वर्ये स्वर्यं स्वयं स्वयं स्वर्यं स्वयं स्वर

भह्रत्मर खे.खी लु.म्.म.चु.म.म.जियमक्किन.जू। वि.स.स.स्.जू। हे.संहै।